जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जनपद कौशाम्बी में ग्राम समूह पेयजल योजनाओं के पुर्नगठन हेतु डी0पी0आर0 गठन एवं अनुमोदन के सम्बन्ध में जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की दिनांक– 18.12.2021 को आहूत बैठक की कार्यवृत्ति।

आज दिनांक 18.12.2021 को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिलाधिकारी कौशाम्बी की अध्यक्षता में जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक प्रारम्भ हुयी जिसमें निम्न अधिकारी/सदस्य उपस्थित रहे।

		अध्यक्ष
		उपाध्यक्ष
1	जिलाधिकारी	सदस्य
2	मुख्य विकास अधिकारी	सदस्य
3	प्रभागीय वनाधिकारी	सदस्य
4	मुख्य चिकित्साधिकारी	सदस्य
5	जिला विकास अधिकारी	सदस्य
6	जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी	सदस्य
7	जिला कृषि अधिकारी	सदस्य
8	जिला पंचायत राज अधिकारी	सदस्य
9	जिला सूचना अधिकारी	सदस्य सचिव
10	अधिशासी अभियन्ता वाटर रिसोर्सेस/सिंचाई	
11	अधिशासी अभियन्ता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण)	कार्यदायी संस्था
12	श्री जी0पी0 सिंह, सीनियर मैनेजर, मे0 जे0एम0सी0 प्रोजेक्ट इण्डिया लि0 एवं एल0सी0ई0एस0पी0एल0 (जे0वी0) 06 तल, कलपतरू सेनर्जी ग्राण्ड हायात होटल के सामने सान्ताक्रूज (ईस्ट) मुम्बई।	

सर्वप्रथम अधिशासी अभियन्ता जल निगम द्वारा पूर्व की बैठक का कार्यवृत्त प्रस्तुत किया गया, जिसका समिति ने सर्वसम्मिति से अनुमोदन किया।

जिलाधिकारी/अध्यक्ष डी0डब्ल्यू0एस0एम0, कौशाम्बी की अनुमति से बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। अधिशासी अभियन्ता जल निगम/सदस्य सचिव द्वारा जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत चयनित फर्म को 08 नग ग्राम समूह पेयजल योजना के पुर्नगठन, 02 नग एकल ग्राम पेयजल योजना के पुर्नगठन एवं 01 नग गुणता प्रभावित ग्राम के डी0पी0आर0 प्रस्तुत करने थे, जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा 02 नग ग्राम समूह पेयजल योजनाओं के पुर्नगठन के डी0पी0आर0 प्रस्तुत किये गये है। जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :–

(रू. 05.00 करोड से अधिक लागत के डी0पी0आर0)

क्र0 सं0	विधान सभा क्षेत्र का नाम	पेयजल योजना का नाम	विकास खण्ड	योजना में सम्मिलित राजस्व ग्रामों की संख्या	योजना में प्राविधानित FHTC की सं0	कुल वर्क कास्ट (रू0 लाख में)	सेन्टेज (रू0 लाख में)	कुल डी0पी0आर0 लागत (रू0 लाख में)	डिजाइन वर्ष में प्रति व्यक्ति लागत (रू0 हजार में)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	मंझनपुर	कौशम खिराज ग्राम समूह	कौशाम्बी	17	7537	3552.72	396.51	3949.22	5189
2	मझनपुर	छिकवा ग्राम समूह	कौशाम्बी	6	3149	1888.56	210.78	2099.33	5930

अधिशासी अभियन्ता द्वारा यह बताया गया कि पूर्व में कौशम खिराज ग्राम समूह पेयजल योजना से पभोषा, सिघवल, पाली उपरहार, हसनपुर, कौसम ईनाम, चक गुलामआलम, कौसम खिराज, बेरौचा, सोनवारा, लोहरकट, जुगराजपुर, कलानी, गुरौली, गोपसहसा, गोइठा व डेलहईया कुल 16 राजस्व ग्रामों में जलापूर्ति की जाती थी। वर्तमान मे हर घर नल से जल योजनान्तर्गत कौसम खिराज ग्राम समूह पेयजल योजना को 06 जोनो मे विभक्त कर कुल 123.387 किमी0 पाइप लाइन एवं 05 नग सोलर बेस्ड नये नलकूप व 04 नग पारम्परिक ऊर्जा बेस्ड नये नलकूप इसके अतिरिक्त 02 नग रिबोर नलकूपो का प्राविधान किया गया है उक्त योजना से कुल 7537 नग FHTC प्रदान किये जाने का प्राविधान किया गया है। आर्थिक दृष्टिकोण से राजस्व ग्राम महिला जो कि पूर्व मे छिकवा पेयजल योजना से आच्छादित था, उसको कौसम खिराज ग्राम समूह पेयजल योजना से आच्छादित किया जाना ज्यादा लाभप्रद होगा, इसलिए ग्राम महिला को कौसम खिराज के डी0पी0आर0 में सम्मिलित किया गया है। इसके अतिरिक्त अधिशासी अभियन्ता जल निगम द्वारा अवगत कराया गया कि वर्ष 2010 में एन0आर0डी0डब्ल्यू0पी0 कार्यक्रम के अन्तर्गत पभोषा ग्राम के लिए अलग से एक योजना का निर्माण कराया गया था परन्तु वर्ष 2012 में नलकूप का बोर फेल हो जाने के कारण योजना से जलापूर्ति पूर्ण रूप से बाधित हो गयी थी। वर्तमान में रेट्रोफिटिंग कार्यक्रम के अन्तर्गत पूर्व निर्मित पभोषा पे0 यो0 में उपलब्ध संसाधनों से उक्त ग्राम के 03 मे से मात्र 02 मजरों को लाभन्वित किया जाना ही सम्भव हो पा रहा है तथा जल निगम के द्वारा तैयार किये गये पुनरीक्षित प्राक्कलन की लागत को स्वीकृति नही प्राप्त हो रही क्योकि वर्तमान में प्राक्कलन तैयार करने के कार्य को सूचीबद्ध फर्म को आवंटित किया जा चुका है एवं फर्म द्वारा तैयार किये गये प्राक्कलनों को ही सक्षम स्तर से वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जा रही है। उक्त तथ्य के दृष्टिगत ग्राम के पभोषा खास मजरे को सूचीबद्ध फर्म द्वारा तैयार किये गये कौसम खिराज ग्राम समूह पेयजल योजना मे सम्मिलित किया जा रहा है। इसी प्रकार राजस्व ग्राम कौसम खिराज के मजरा– बडागढवा एव छोटागढवा को सतृप्त किये

जाने हेतु इसी प्राक्कलन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार कौसम खिराज ग्राम समूह पेयजल योजना के डी0पी0आर0 से कुल 17 राजस्व ग्राम संतृप्त होगें।

छिकवा ग्राम समूह पेयजल योजना से छिकवा, दिया उपरहार, ऐगवां उपरहार, धाना उपरहार, धरमपुर, महिला व भखन्दा राजस्व ग्राम में जलापूर्ति की जाती थी। छिकवा पेयजल योजना के डी0पी0आर0 में राजस्व ग्राम महिला को छोडते हुये मात्र 06 राजस्व ग्रामों को संतृप्त किये जाने का प्राविधान किया जा रहा है। वर्तमान में हर घर नल से जल योजनान्तर्गत छिकवा ग्राम समूह पेयजल योजना को 03 जोनो में विभक्त कर कुल 62.616 किमी0 पाइप लाइन एवं 06 नग सोलर बेस्ड नये नलकूप व 02 नग पुराने नलकूपों के प्रयोग का प्राविधान किया गया है। उक्त योजना से कुल 3149 नग FHTC प्रदान किये जाने का प्राविधान किया गया है।

अधिशासी अभियन्ता जल निगम द्वारा समिति को यह भी अवगत कराया गया कि योजनाओं के पुर्नगठन में पूर्व निर्मित संरचनाओं (ओ0एच0टी0, पम्प हाउस व बाउण्ड्री वाल) के उपयोग का प्राविधान अनंतिम रूप से किया गया है और यदि एम0एन0एन0आई0टी0, (इलाहाबाद) प्रयागराज से उनके अनुपयोगी होने का प्रमाण प्राप्त होता है तो उक्त के स्थान पर नये संरचनाओं के निर्माण लागत को भी प्राक्कलन में प्राविधानित किया गया है। प्रस्तुत किये जा रहे दोनो डी0पी0आर0 में समस्त कार्यो को सम्मिलित करने के उपरान्त डिजाइन वर्ष में प्रति व्यक्ति लागत रू0 6000.00 से कम है जो कि शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप है। यह भी अवगत कराया गया कि डी0पी0आर0 का स्थलीय परीक्षण सहायक अभियन्ता, जूनियर इंजीनियर एवं उनके द्वारा स्वयं किया गया है, तदोपरान्त उसकी तकनीकी स्वीकृति उ0प्र0 जल निगम के सक्षम स्तर से प्राप्त कर ली गयी है।

अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि पुर्नगठन होने वाली कौसम खिराज ग्राम समूह पेयजल योजना जिसकी अनुमानित लागत रू0 39.49 करोड़ है एवं छिकवा ग्राम समूह पेयजल योजना जिसके पुर्नगठन की लागत रू0 20.99 करोड है, को यदि समिति द्वारा अनुमोदित किया जाता है तो उक्त योजनाओं से पूर्व में आच्छादित समस्त राजस्व ग्रामों को हर घर नल से जल से लाभन्वित किया जाना सम्भव हो सकेगा। उक्त प्रस्ताव को जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। उक्त दोनो ही योजनाओं की लागत रू0 05.00 करोड से अधिक होने के कारण अध्यक्ष, जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने शासनादेश संख्या 51/2021/1883/छिहत्तर/–1–2021–25सम/2019, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति अनुभाग–1 दिनांक 06.08.2021 के क्रम में दोनो ही प्राककलनों के तकनीकी, वित्तीय एवं प्राशसकीय स्वीकृति हेतु राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन को संस्तुति सहित प्रेषित किये जाने का निर्णय लिया गया।

उपाध्यक्ष, जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने डी0पी0आर0 प्रस्तुत करने में हुये विलम्ब पर काफी रोष व्यक्त किया गया, जिस पर अधिशासी अभियन्ता जल निगम द्वारा यह बताया गया कि माह–अक्टूबर, 2021 के अंतिम सप्ताह तक फर्म को वांछित भूमि उपलब्ध करा दी गयी थी तथा डी0पी0आर0 तैयार करने में फर्म के स्तर से विलम्ब किया गया है। तदोपरान्त फर्म के प्रतिनिधि श्री जी0पी0सिंह द्वारा डी0पी0आर0 प्रस्तुत करने में हुये विलम्ब के लिए क्षमा मांगते हुये यह अवगत कराया गया कि फर्म द्वारा दिनांक 18.12.2021 की अपरान्ह में सिराथू एवं शाहजादपुर ग्राम समूह पेयजल योजनाओं के डी0पी0आर0 खण्ड कार्यालय में प्रस्तुत कर दिया गया एवं आलमचन्द एवं सिया कमासिन ग्राम समूह पेयजल योजना के डी0पी0आर0 दिनांक 20.12.2021 को अवलोकन हेतु अधिशासी अभियन्ता, जल निगम को उपलब्ध करा दिया जायेगा। तत्क्रम में मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा अधिशासी अभियन्ता, जल निगम को यह निर्देशित किया गया कि उक्त चारों डी0पी0आर0 को अवलोकन करते हुये पायी जाने वाली कमियों का निस्तारण फर्म से करा कर प्रत्येक दशा में दिनांक 27.12.2021 को आहूत जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उपाध्यक्ष महोदय द्वारा दिनांक 27.12.2021 को सायकाल 06:00 बजे जिलाधिकारी महोदय के कैम्प कार्यालय में जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा सहमति प्रदान की गयी।

अध्यक्ष महोदय द्वारा फर्म के प्रतिनिधि से शेष 05 डी0पी0आर0 तैयार करने के सन्दर्भ में जानकारी चाही गयी जिस पर फर्म के प्रतिनिधि श्री जी0पी0सिंह द्वारा यह अवगत कराया गया कि शेष डी0पी0आर0 वर्तमान में प्लानिंग फेज में है और दिनांक 05.01.2022 तक फर्म उन डी0पी0आर0 को प्रस्तुत करने की स्थिति मे होगी। जिस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा फर्म की कार्य प्रणाली पर असंतोष व्यक्त करते हुये श्री सिंह को निर्देशित किया कि वे शेष समस्त डी0पी0आर0 शीघ्रातिशीघ्र समिति के समक्ष प्रस्तुत करें।

अन्त में बैठक जिलाधिकारी/अध्यक्ष महोदय की अनुमति से सधन्यवाद समाप्त हुयी।

जिलाधिकारी/अध्यक्ष
जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन,
कौशाम्बी ।